Dainik Bhaskar (Indore), 12th July 2026, Page - 23

HOPE DAY देश की बड़ी समस्याओं को दूर करने काम कर रहे शहर के युवा, आमजन के उपयोग की तकनीक बना रहे

उम्मीद जगाते स्टार्टअप, यूपीआई से नहीं होगा फ्रॉड, एआई देशभर की जॉब वैकेंसी एक जगह ले आएगा

सिटी रिपोर्टर • इंदौर

इंदौर के स्टार्टअप देश की बड़ी समस्याओं का समाधान कर रहे हैं। लोगों के मोबाइल और यूपीआई ट्रांजैक्शन को साइबर फ्रॉड से बचाने के लिए इंदौर में टेक्नोलॉजी विकसित की गई है। इसका उपयोग देश की बड़ी ऑनलाइन पैमेंट सुविधा करने वाली कंपनियां भी कर रही हैं। इससे यूपीआई फ्रॉड के मामलों में कमी आएगी। एक स्टार्टअप जॉब तलाश करने की परेशानी को दूर कर रहा है। देशभर की आईटी, अन्य कंपनियों की जॉब वेकैंसी एआई से एक जगह ला रहा है।

IIT के हेल्थ डिवाइस से उम्मीद

आईआईटी इंदौर के दृष्टि सीपीएस फाउंडेशन अपनी लैब में तैयार नई तकनीकों को सीधे अस्पतालों और बाजार तक पहुंचाने का काम कर रहा है। इसके लिए लैब टू मार्केट (L2M) से हेल्थ टेक और मेडिकल डिवाइस स्टार्टअप को शुरुआती रिसर्च से लेकर कमर्शियल लॉन्च तक में मदद दी जा रही है। इसी दिशा में टेक्नोलॉजी ट्रांसलेशन रिसर्च पार्क पर भी काम हो रहा है, ताकि रिसर्च केवल लैब तक सीमित न रहे। फाउंडेशन का फोकस एआई, मेडिकल डिवाइस, डिजिटल हेल्थ जैसी तकनीकों पर है। इससे इंदौर ग्लोबल हेल्थ-टेक इनोवेशन हब के रूप में उभरेगा।

तीन माह में 70 से ज्यादा युवाओं को नौकरी मिल चुकी

स्टार्टअप वेक्टर टेक्नोलॉजी जॉब तलाशने की परेशानियों को आसान करेगा। प्लेटफॉर्म पर उम्मीदवार को केवल बायोडाटा अपलोड करना होता है। इसके बाद एआई प्रोफाइल के अनुसार अलग-अलग कंपनियों में अपने आप अप्लाई कर देता है। तीन से चार महीने में इससे 70 से ज्यादा युवाओं को जॉब मिल चुकी है। स्टार्टअप के सीईओ सत्यम दीक्षित ने बताया कि इंडस्ट्रीज में हजारों जॉब हैं, लेकिन सही जानकारी और समय पर अप्लाई नहीं होने से युवा अवसर खो देते हैं। इसी समस्या को देखते हुए इस प्लेटफॉर्म की शुरुआत की गई। उन्होंने बताया कि इससे पहले वे अबू धाबी इन्वेस्टमेंट अथॉरिटी के लिए एआई आधारित सिस्टम बना रहे थे, लेकिन युवाओं के लिए समाधान तैयार करने के उद्देश्य से भारत में स्टार्टअप शुरू किया। प्लेटफॉर्म पर इंटर्नशिप के अवसर भी होंगे और जल्द ही इसे विदेशों में पढ़ने वालों के लिए भी शुरू किया जाएगा।

यूपीआई पेमेंट करने से पहले अलर्ट मिलेगा

साइबर सिक्योरिटी स्टार्टअप Bugsmirror मोबाइल एप की सुरक्षा से जुड़ी रिसर्च आधारित तकनीक विकसित की है। स्टार्टअप मोबाइल एप में मौजूद सुरक्षा खामियों की पहचान करता है। इसके जरिए यह भी पता लगाया जा सकता है कि मोबाइल में कोई वायरस या मालवेयर तो नहीं है। इससे यूपीआई पिन, बैंकिंग जानकारी और अन्य संवेदनशील डेटा लीक होने का खतरा नहीं रहता। साथ ही सिम क्लोनिंग और साइबर फ्रॉड से जुड़े संभावित जोखिमों का भी एनालिसिस किया जा सकता है। फाउंडर अमन पांडेय बताते हैं कि इंजीनियरिंग करने के दौरान एक SOS एप बनाते समय पहली बार सुरक्षा खामी मिली थी। इसके बाद साइबर सुरक्षा में रिसर्च का सफर शुरू हुआ।